कुलपति को कक्षाओं में नहीं मिल रहे छात्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल (यूटीयू) के कुलपति प्रो ओंकार सिंह ने मंगलवार को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थान बीएसएम इंजीनियरिंग कॉलेज, रूड़की का औचक एकैडमिक निरीक्षण किया गया।

विश्वविद्यालय का एकैडमिक सत्र जो कि 16 अगस्त से शुरू हो चुका है और माह दिसम्बर, 2023 में विश्वविद्यालय की सेमेस्टर परीक्षाएं एकैडमिक कैलेण्डर के अनुसार प्रस्तावित है। इसी को ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रो. ओंकार सिंह द्वारा आज रूड़की क्षेत्र स्थित सम्बद्ध संस्थान बीएसएम इंजीनियरिंग कॉलेज, रूड़की का एकैडमिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न कक्षाओं में मात्र 9 छात्र-छात्राएं ही उपस्थिति पाये गये। संस्थान में लगभग शतप्रतिशत छात्रों की अनुपस्थिति को देख कुलपति ने सख्त नाराजी व्यक्त करते हुए संस्थान

■ यूटीयू के कुलपति ने किया बी.एस.एम. इंजी. नियरिंग कॉलेज का दौरा कालेज की शैक्षणिक व्यवस्था को देख कुल. पति हुए नाराज

के खिलाफ विधिक कार्यवाही करने. की चेतावनी देते हुए कहा कि विवि के शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुरूप कक्षाएं संचालित नहीं करना यह दर्शाता है कि संस्थान छात्रों के भविष्य के साथ कितना बड़ा अन्याय कर रहा है।

साथ ही शिक्षकों से उपस्थिति पंजिका मंगाये जाने पर उनमें भी अनियमितताएं पायी गयी जिन्हें तत्काल सुधारने के निर्देश दिये गये और विश्वविद्यालय पोर्टल पर उपस्थिति दर्ज कराने का कहा गया। वहीं कुलपति द्वारा शैक्षणिक निरीक्षण के दौरान संस्थान निदेशक को निर्देशित किया गया कि निर्धारित टाईम-टेबल के अनुरूप कक्षाओं का संचालन नहीं होना उनकी योग्यता पर सबसे बड़ा प्रश्नचिन्ह है। निदेशक को सख्त हितायत देते हुए कहा कि शैक्षणिक गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन करवाना उनकी सर्वोच्चनैतिक जिम्मेदारी है तथा पायी गई शैक्षणिक त्रुटियों को ठीक करना सुनिश्चित करें।

कुलपति ने संस्थान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि संस्थान द्वारा गुणवत्तापरक शिक्षा के दृष्टिगत शैक्षणिक व्यवस्था को ठीक नहीं किया जाता है तो संस्थान की सम्बद्धता बनाये रखने के संबंध में विश्वविद्यालय को विधिसम्मत कठोर कार्यवाही हेतु निर्णय लेना पड़ेगा जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संस्थान की होगी।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने समस्त पाठ्यक्रमों में सम्बद्ध निजी संस्थानों, राजकीय संस्थानों व विश्व. विद्यालय के परिसर संस्थानों को भी स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि शैक्षणिक वातावरण किसी भी तरह से दूषित नहीं होने दिया जायेगा।